L.N.M. College OF Higher Education (Pg-1)

B.ED. - Ist year (2019-21) / BCC-4 (Language Across the Curriculum)

[Revicionary Exercises]

By Rakesh Sir

Date:- 23/5/20

Unit I / Ch-2

(Literacy, Oral and written language used in Classroom

(साक्षरता, कक्षा-कक्ष में मौखिक एवं लिखित भाषा का प्रयोग)

Question :- साक्षरता से क्या आशय है? समझाइए।

साक्षरता (Litercy) :→ साक्षरता का आशय अक्षर ज्ञान से होता है। साक्षरता के अन्तर्गत लिखना, पढ़ना तथा गणना करना आता है। जिन व्यक्तियों में सामान्य रूप से अक्षरों का ज्ञान होता है वह हस्ताक्षर करना तथा लिखना जान जाता है। तब वह थोड़ा-बहुत गणित के ज्ञान के आधार पर हिसाब-किताब रख लेता है, वह साक्षर कहलाता है। हमारे देश के अधिकांश लोग गाँव में बसते हैं। प्रजातंत्र के लिए निरक्षरता अभिशाप है। निरक्षरता को दूर करने के लिए तथा लोगों को लिखना, पढ़ना और गणना करना सिखाने के लिए साक्षरता अभियान सरकार के द्वारा चलाया जा रहा है। साक्षरता किसी भी प्रजातान्त्रिक देश के लिए आवश्यक मानी जाती है।

भारत में साक्षरता का स्तर बढ़ाने के लिए प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम भी बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। साक्षरता प्रजातान्त्रिक देश के लिए अत्यन्त आवश्यक मानी जाती है क्योंकि प्रजातंत्र में जनता ही शासक का चुनाव करती है और निरक्षर जनता किस प्रकार अपने लिए अच्छे शासक का चुनाव कर सकती है। साक्षरता अभियान चलाकर भारत में निरक्षरों की संख्या में कमी लाना भारत का एक अभियान रहा है।

हमारे यहाँ समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने गुण और कर्मों के अनुकूल शिक्षा प्राप्त करता है। समाज और शासन की ओर से शिक्षा की समुचित व्यवस्था थी। तभी तो भारत अन्य देशों का गुरु माना जाता था। परन्तु पिछले एक सहस्त्र वर्षों की अनवरत दासता ने निःसंदेह हमें शिक्षा हीन बना दिया क्योंकि प्रारंभिक दो-तीन शताब्दियों तक तो हम अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए लड़ते-मरते रहे, किसको ध्यान था पढ़ने-लिखने का। उसके बाद कुछ शताब्दियाँ सांस्कृतिक और धार्मिक संघर्षों में निकल चली गयी। शिक्षा के अभाव में न मनुष्य में उद्बोधन शक्ति रहती है न जागृति।

→

Scanned with CamScanner

(पृ-2) अत: मनुष्य का शिक्षित होना आवश्यक है। अशिक्षित व्यक्ति न अपने घर का वातावरण शिक्षित एवं निर्मल बना सकता है और न अपने बच्चों का भविष्य निर्माण अच्छी प्रकार से कर सकता है। इस प्रकार साक्षरता के आधार पर कोई भी नागरिक अच्छा बन सकता है और आत्म कल्याण और राष्ट्र-कल्याण की ओर उन्मुख हो सकता है। साक्षरता के अभाव में देशवासियों को सभी प्रकार के घोर कष्टों का सामना करना पड़ सकता है।

कक्षा-कक्ष में मौखिक भाषा का प्रयोग किया जाता है और साथ ही लिखित भाषा को भी सिखाया जाता है। अक्षर-ज्ञान पहली सीढ़ी है। जब छात्रों को अक्षर ज्ञान हो जाता है तो उन्हें ज्ञान प्रदान करने के लिए लिखित एवं मौखिक भाषा का ज्ञान दिया जाता है। भाषा विकास के सन्दर्भ में यह प्रक्रियाएँ की जाती हैं। कक्षा-कक्ष में बच्चे धीरे-धीरे इन चरणों को पूरा करके भाषा पर नियंत्रण रखने का प्रयास करते हैं। भाषा पर नियंत्रण धीरे-धीरे हो जाता है। ज्ञान के विस्तार से ही भाषा पर पकड़ बनती है। विचार करने पर भाषा हमारे मस्तिष्क के अन्दर उत्पन्न होने वाले शब्दों की एक ~~अविच्छिन्न~~ अविच्छिन्न धारा प्रतीत होती है जो मौखिक अथवा लिखित के रूप में प्रकट होती है। भाषा स्वयं में एक रहस्य है तथा रहस्य होने के कारण छिपी हुई है, किन्तु अज्ञात नहीं है तथा इस रहस्य का उद्घाटन भाषा ही प्रकाश द्वारा होता है। आधुनिक समय में भाषा की प्रकृति विभिन्न प्रकार के ज्ञान का विषय बनी है। भाषा वैज्ञानिक क्षेत्र के अतिरिक्त दर्शन, मनोविज्ञान, सौन्दर्यशास्त्र तथा समाजविज्ञान ने भी भाषा की प्रक्रिया के विषय में गहन रुचि दिखाई है। इस प्रकार भाषा अनेक प्रकार के अध्ययनों में अपनी विशिष्ट भूमिका का निर्वाह कर रही है।

साक्षरता एक वरदान — स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देश में साक्षरता के लिए विशेष प्रयत्न किए गये। पहले जिले में एक-दो स्कूल हुआ करते थे और डिग्री कॉलिज तो दो-चार जिलों को छोड़ कर होते ही न थे। बेचारे गाँव की क्या मजाल थी कि बच्चों को पढ़ा ले और आज तो हर तहसील और हर बड़े गाँव में इण्टरमीडिएट कॉलिज मिलेगा, शहरों में इनकी संख्या इतनी है कि कुछ कहते नहीं बनता। आज हर कॉलिजों में विद्यार्थियों की भीड़ लगी रहती है। साक्षरता अभियान के दौरान लड़कों की शिक्षा के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा की होड़ मची है।

छठी पंचवर्षीय योजनाओं के बाद भारत की तीन-चौथाई से भी कहीं अधिक जन संख्या आज भी अशिक्षित है। आज भी →

Scanned with CamScanner

(Pg-3) करोड़ों व्यक्ति होते हैं जिनके लिए मतदान अधिकार और उत्तरदायित्व अशिक्षित जनता में कुशलता का [illegible] निर्वाचन नहीं हो जाता है। व्यक्ति के अपने अधिकार और कर्तव्य के प्रति जागरूक होते हैं। साक्षर होने पर प्रत्येक व्यक्ति अपना अधिकार और कर्तव्य समझ सकता है। वे अपना अच्छा प्रतिनिधि भी चुन सकते हैं और मतदान के महत्त्व को भी समझ सकते हैं।

उत्तर प्रदेश में जो कि अन्य राज्यों से, जैसे मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार आदि से अधिक शिक्षित समझा जाता है। पिछले आंकड़े सन् 1981 की जनगणना के अनुसार देहरादून जिला सबसे अधिक शिक्षित है। कानपुर का दूसरा तथा लखनऊ का तीसरा स्थान आता था। सबसे कम शिक्षित लोग बदायूँ जिले में थे जहाँ साक्षरता का अभाव था। यहाँ केवल 7.6 प्रतिशत लोग ही पढ़े-लिखे थे। रायबरेली, सीतापुर, बाराबंकी, गोंडा, सुल्तानपुर, बहराइच, प्रतापगढ़, उन्नाव, रामपुर और शाहजहाँपुर में 15 प्रतिशत से अधिक लोग शिक्षित थे। निष्कर्षतः कहने का अर्थ यह है कि अगर हम अपने देश का कल्याण चाहते हैं तो प्रत्येक देशवासी को शिक्षित होना परम आवश्यक है। इसी के प्रतिदिन भारत सरकार ने शिक्षा पर विशेष रूप से प्रौढ़ शिक्षा पर बल दिया। 1978 में प्रौढ़ शिक्षा संबंधी कई योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए समस्त भारत में प्रौढ़ शिक्षा विभागों की स्थापना की गई तथा विशेष साक्षरता को मद्देनज़र रखते हुए सायंकालीन प्रौढ़ पाठशालाएँ खोली गईं जिससे उल्लेखनीय साक्षरता में वृद्धि हुई।

उपर्युक्त सूचना के आधार पर किसी भी कक्षा-कक्ष या अध्ययनशालाओं में छात्रों को ज्ञान देने हेतु मौखिक व लिखित व्याख्यान देना आवश्यक माना जाता है। कई प्रकार की शिक्षण विधियाँ मौखिक रूप से अपनाई जाती हैं जो विभिन्न भाषाओं पर आधारित होती हैं। वाद-विवाद, तर्क, साक्षात्कार, प्रश्नोत्तर, प्रवचन, व्याख्यान आदि मौखिक भाषा पर आधारित होते हैं जबकि कक्षा-कक्ष छात्रों के बीच लिखित भाषा का ज्ञान कराया जाता है। लिखित भाषा के माध्यम से छात्र अपने भावों की अभिव्यक्ति लिखित रूप में करते हैं। अतः साक्षरता की वृद्धि के लिए प्रौढ़-शिक्षा को बड़े पैमाने पर चलाने की आवश्यकता है जिससे कि साक्षरता सही प्रजातांत्रिक देशों में ज्ञान का प्रसार हो सके [illegible] नागरिक का ही निर्माण में हिस्सा ले सकें।

Solg to do → H.W. <Long Type Ques-Ans>

(1). विभिन्न क्षेत्र में अधिकतम अधिगम निर्धारण के लिए कक्षा-कक्ष में मौखिक एवं लिखित भाषा का प्रयोग किस प्रकार किया जाता है? समझाइए।

(2) मौखिक भाषा का प्रयोग कक्षा-कक्ष में किस रूप में किया जाता है? विस्तृत विवेचना कीजिए।

(3) लिखित भाषा का कक्षा-कक्ष में प्रयोग समझाइए।

(4) कक्षा-कक्ष में मौखिक-भाव-प्रकाशन के समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? बताइए।

Scanned with CamScanner